सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि- 9/9/2024

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **24**
No. of Pages in Booklet : **24**
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**
Paper Code : **11**

PAS-24

Paper-I

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड/Question Booklet No. & Barcode
105601

SUBJECT : **Hindi-I**

समय : **03 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त***
Time : **03 Hours+10 Minutes Extra***

अधिकतम अंक : **75**
Maximum Marks: **75**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर–पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर–पत्रक पर नीले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर–पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
9. * **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्प में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9. * **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, **जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

1. निम्नलिखित में से मार्क्सवादी आलोचक नहीं हैं –
   (1) क्रिस्टोफर कॉडवेल
   (2) जॉन क्रो रैनसम
   (3) रॉल्फ फॉक्स
   (4) जॉर्ज लुकाच
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

2. इलियट के अनुसार किसी कवि का मूल्य–निर्धारण किस प्रकार किया जा सकता है?
   (1) युवा कवियों की सापेक्षता में।
   (2) प्रौढ़ कवियों की सापेक्षता में।
   (3) दिवंगत कवियों की सापेक्षता में।
   (4) समवयस्क कवियों की सापेक्षता में।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

3. सूची–1 एवं सूची–2 को सुमेलित कीजिए –

सूची–1		सूची–2
(क) अरस्तू	(i)	कला आंतरिक होने के साथ अखंड है।
(ख) क्रोचे	(ii)	कविता कवि व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं व्यक्तित्व से पलायन है।
(ग) कॉलरिज	(iii)	कला प्रकृति की अनुकृति है।
(घ) इलियट	(iv)	भाषा मानव मन का शस्त्रागार है, जिसमें उसके अतीत के विजय स्मारक और भावी विजय के शस्त्र एक साथ रहते हैं।

   (1) क–iv, ख–ii, ग–iii, घ–i
   (2) क–i; ख–iii, ग–iv, घ–ii
   (3) क–ii, ख–i, ग–iii, घ–iv
   (4) क–iii, ख–i, ग–iv, घ–ii
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

4. "आवेश राजनीति का दुश्मन है। राजनीति में विवेक चाहिए। विवेक और धीरज!" 'महाभोज' उपन्यास से उद्धृत यह कथन किसका है?
   (1) दत्ता साहब का
   (2) अप्पा साहब का
   (3) लोचन बाबू का
   (4) दा साहब का
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

5. निम्नलिखित में से हाड़ौती को सर्वाधिक प्रभावित किसने किया है?
   (1) मेवाड़ी
   (2) मेवाती
   (3) ढूंढाड़ी
   (4) बागड़ी
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

6. संविधान के किस अनुच्छेद में उच्चतम न्यायालय में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा के संबंध में उपबंध किया गया है?
   (1) अनुच्छेद 346
   (2) अनुच्छेद 351
   (3) अनुच्छेद 345
   (4) अनुच्छेद 348
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

7. समुच्चय बोधक अव्यय के विषय में असंगत विकल्प है –
   (1) जिन अव्ययों के द्वारा मुख्य वाक्य जोड़े जाते हैं, उन्हें समानाधिकरण समुच्चय बोधक कहते हैं।
   (2) 'और' 'तथा' समुच्चय बोधक अव्यय हैं।
   (3) समुच्चय बोधक अव्यय में 'व', 'एवं' को भी शामिल किया जाता है।
   (4) समुच्चय बोधक अव्ययों के मुख्य तीन भेद हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

8. गीतिका छंद की विशेषता नहीं है –
(1) चरणान्त में तुक मिलती है।
(2) चरणान्त में लघु–गुरु (IS) होता है।
(3) एक चरण में 26 मात्राएँ होती हैं।
(4) यह मात्रिक विषम छन्द है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. कुंतक के अनुसार, समानार्थी शब्दों में से किसी एक विशिष्ट अर्थ के द्योतक शब्द के प्रयोग से रचना में सौन्दर्य उत्पन्न करने का कवि–कौशल क्या कहलाता है?
(1) रूढ़ि वैचित्र्य – वक्रता
(2) उपचार – वक्रता
(3) वाक्य – वक्रता
(4) पर्याय – वक्रता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. "दिष्यंत पंथ दिल्ली दिसाँन। सुष भयो सुक जब मिल्यौ आन।।
संदेस सुनत आनंद नैंन। उमगीय बाल मनमथ्थ सैन।।"
उक्त काव्यांश में किसके आनंद का उल्लेख है?
(1) कुमुदमणि
(2) पद्मावती की सखी
(3) पद्मावती
(4) पृथ्वीराज
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. "दो आदमी जितना ज्यादा साथ रहें, एक हवा में साँस लें, उतना ही ज्यादा अपने को एक – दूसरे से अजनबी महसूस करें।" 'आधे – अधूरे' नाटक में यह कथन किसने – किसके समक्ष कहा?
(1) बड़ी लड़की ने स्त्री और पुरुष एक के समक्ष
(2) बड़ी लड़की ने स्त्री और पुरुष चार के समक्ष
(3) स्त्री ने बड़ी लड़की और पुरुष चार के समक्ष
(4) स्त्री ने अशोक और पुरुष एक के समक्ष
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. उदित उदय–गिरि–मंच पर रघुबर बाल–पतंग।
विकसे सन्त–सरोज सब, हरषे लोचन–भृंग
उक्त पंक्तियों में कौनसा अलंकार है?
(1) श्लेष
(2) रूपक
(3) यमक
(4) वक्रोक्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. "सुबरन को ढूँढ़त फिरैं, कवि, कामी अरु चोर।" इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
(1) श्लेष
(2) उपमा
(3) विभावना
(4) अपह्नुति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. 'हरिगीतिका' छंद के बारे में असंगत कथन है –
(1) प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं।
(2) इस छंद के अन्त में लघु–गुरु होते हैं।
(3) 12–16 मात्राओं पर यति होती है।
(4) यह मात्रिक सम छंद है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. "हे शरण–दायिनी देवि! तू करती सबका त्राण है।
तू मातृभूमि सन्तान हम, तू जननी तू प्राण है"
इन काव्य–पंक्तियों में निहित छन्द है –
(1) गीतिका
(2) रोला
(3) हरिगीतिका
(4) उल्लाला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. "जागिए न सोइए, बिगोइए जनमु जायँ
दुख, रोग रोइए, कलेसु कोह – काम को।
उक्त पंक्ति में रेखांकित अंश का भावार्थ है –
(1) योग – साधना करना
(2) हरि भजन में चैतन्य न रहना
(3) नींद से जागना
(4) सांसारिक दौड़ – धूप करना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. 'कुबेरनाथ राय' के 'राघवः करुणो रसः निबंध के अनुसार निर्वासन में शाप की स्थिति होती है –
(1) अकेलेपन के साथ अजनबीपन में
(2) अकेलेपन में
(3) उदासीनता में
(4) रचनाकार के नित्य अकेलेपन में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. "बाद – बिबाद बिषादु बढ़ाइ कै, छाती पराई औ आपनी जारैं।
चारिहु को, छहुको, नवको, दस – आठको पाठु कुकाठु ज्यों फारैं।।"
उपर्युक्त काव्यांश में 'छहुको' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?
(1) षट् शास्त्र
(2) षट् ऋतु
(3) षट्कर्म
(4) षट् द्रव्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. 'अंधेरे में' कविता में वर्णित विचित्र प्रोसेशन में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं था?
(1) विद्यार्थी
(2) उद्योगपति
(3) कवि
(4) आलोचक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. विशेषण के संबंध में असंगत कथन है –
(1) सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य के वचन, कारक आदि के अनुसार रूपांतरित नहीं होते।
(2) जो विशेषण विशेष्य के बाद क्रिया के पूरक के रूप में आये, उसे विधेय विशेषण कहते हैं।
(3) जो विशेषण, विशेष्य के तुरंत पहले आता है, उसे विशेष्य – विशेषण कहते हैं।
(4) जब विशेषण संज्ञा का काम देता है, तब उसका रूपांतरण संज्ञा की तरह होता है, विशेषण की तरह नहीं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. किस सामासिक पद का विग्रह सही नहीं है?
(1) हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी
(2) बैलगाड़ी = बैल की गाड़ी
(3) देशनिकाला = देश से निकाला
(4) कविराज = कवियों में राजा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. आचार्य दण्डी ने निम्नलिखित में से किसे काव्य–हेतु नहीं माना है?
(1) अभ्यास
(2) प्रतिभा
(3) अध्ययन
(4) व्युत्पत्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. मन्दाक्रन्ता छन्द की विशेषता नहीं है –
(1) प्रत्येक चरणान्त में तुक की अनिवार्यता।
(2) प्रत्येक चरण में क्रमशः मगण, भगण, नगण, तगण, तगण और दो गुरु वर्ण।
(3) क्रमशः 4, 6, 7 वर्णों पर यति।
(4) प्रत्येक चरण में 17 वर्ण।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. निम्नलिखित धारणाओं में से कौनसी धारणा उत्तर आधुनिकता और विखंडनवाद के संदर्भ में असंगत है?
(1) विखंड़नवाद न विधाओं के वर्गीकरण के सिद्धांत को मान्यता देता है, न किसी प्रकार के तत्त्ववाद को।
(2) विखंडन ही साहित्य की उत्तर आधुनिक स्थिति है।
(3) विखंडनवादी दृष्टि का मानना है कि हर पाठ की एक से अधिक व्याख्याएं संभव होती है।
(4) उत्तर आधुनिकतावाद किसीं अतीन्द्रिय अथवा निरपेक्ष सिद्धांत से सम्बद्ध है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. वयण सगाई अलंकार विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) वयण सगाई की दृष्टि से सभी स्वर आपस में मित्र माने जाते हैं।
(2) वयण सगाई हेतु अल्पप्राण और उनके सहयोगी महाप्राण वर्णों का परस्पर प्रयोग निषिद्ध माना जाता है।
(3) वयंण सगाई राजस्थानी चारण काव्य–शैली की एक विशेषता है।
(4) वयण सगाई प्रायः उसी वर्ण के पुनः प्रयोग द्वारा स्थापित की जाती है जो चरण के प्रथम शब्द के आदि में होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. उपमा अलंकार के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) उपमेय और उपमान में पूर्णसाम्य होना अत्यावश्यक है।
(2) इसमें सादृश्य या गुणसाम्य के आधार पर उपमेय और उपमान में समता स्थापित की जाती है।
(3) उपमा में दो पदार्थों में साधर्म्य रहने पर भी वैधर्म्य के तत्त्व विद्यमान रह सकते हैं।
(4) जिस गुण के कारण उपमेय और उपमान में साम्य स्थापना हो, उसे साधारण धर्म कहते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. क्रोचे की अंतःप्रज्ञा संबंधी मान्यताओं के विरुद्ध कथन है –
(1) अन्तःप्रज्ञा से प्राप्त ज्ञान अस्पष्ट और अविश्वसनीय होता है।
(2) अन्तःप्रज्ञा वस्तुओं को अखंड और समग्र रूप में प्रस्तुत करती है।
(3) अन्तःप्रज्ञा और बुद्धि परस्पर पूरक और सहायक है।
(4) अन्तःप्रज्ञा इंद्रियातीत ज्ञान का प्रकाशन करती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. आलंबन के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) यथोचित या अनुकूल आलंबन होने पर ही रस का पूर्ण परिपाक होता है।
(2) जगत् के मूर्त और सजीव पदार्थ ही काव्य के आलंबन हो सकते हैं।
(3) आलंबन की चेष्टाएँ, रूप, भाषण आदि उद्दीपन के अन्तर्गत आते हैं।
(4) जिसका अवलंब ग्रहण कर इत्यादि स्थायी भाव जागृत हों, उसे आलंबन कहते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. "नामु राम! रावरो तौ चामकी चलाई है।"
प्रस्तुत पंक्ति में 'चामकी चलाई है' का लक्ष्यार्थ है –
(1) पापियों को भी परमपद दिलाना
(2) काशी में करवत लेना
(3) बाह्य रंग – रूप को महत्त्व देना
(4) चमड़े के सिक्के चलाना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. "घनआनँद भीत सुजान बिना सब ही सुख साज – समाज टरे।
तब हार पहार से लागत हे अब आनि कै बीच पहार परे।।"
प्रस्तुत काव्यांश में विप्रलंभ का कारण है –
(1) मान
(2) प्रवास
(3) करुण
(4) त्याग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. 'कफन' कहानी के संदर्भ में असंगत है –
(1) आर्थिक विपन्नता के कारण घीसू, माधव और बुधिया के प्रगाढ़ रागात्मक संबंधों का चित्रण
(2) कर्म की नैतिकता का अर्थ के संबंध में पुनर्मूल्यांकन
(3) घीसू और माधव की दृष्टि में मृत्यु की अपेक्षा जीवन की महत्ता का अंकन
(4) आर्थिक वैषम्य मूलक समाज व्यवस्था का चित्रण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबंध में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार मनुष्य जीवन की चरितार्थता है –
(1) अंध सहजात वृत्तियों के उन्नयन में।
(2) मारणास्त्रों के संचयन में।
(3) स्वयं को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में।
(4) भौतिक साधनों की बहुलता में।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. "बिरहनि ऊभी पंथ सिरि, पंथी बूझै धाइ।
एक सबद कहि पीव का, कब रे मिलैंगे आइ।।"
प्रस्तुत छंद की व्याख्या में उपयोगी है –
(1) भावात्मक रहस्यवाद
(2) शुद्धाद्वैतवाद
(3) द्वैतवाद
(4) योग साधना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. "कहौ कहा कहिए या नभ को कैसे उर में आनैं।" सूरदास रचित इस पंक्ति में 'नभ' का निहितार्थ है –
(1) कृष्ण
(2) अक्रूर
(3) उद्धव
(4) निर्गुण ब्रह्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. किस आचार्य ने प्रतिभा को एकमात्र काव्य–हेतु स्वीकार किया?
(1) मम्मट
(2) जगन्नाथ
(3) रुय्यक
(4) राजशेखर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. नामवर सिंह के अनुसार पृथ्वीराज रासो की भाषा है –

(1) प्राकृत (2) पिंगल

(3) अवहट्ठ (4) डिंगल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. लौंजाइनस का उदात्त विषयक काव्यशास्त्रीय ग्रंथ किस शैली में लिखा गया है?

(1) पत्र शैली (2) डायरी शैली

(3) पद शैली (4) मुक्तक शैली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. विखंडनवाद का पाठ (TEXT) और पढ़त (Reading) संबंधी मान्यताओं के विरुद्ध कथन है –

(1) इसका मानना है कि भाषा पर तो वश नहीं, किन्तु पढ़त तो वश में है।

(2) इसके अनुसार अर्थ पाठ से परे अथवा निकट नहीं, पाठ के भीतर है।

(3) यह पाठ को बंद पाठ के रूप में पढ़ने की हिमायत करता है।

(4) यह पाठ के निर्धारित अर्थ को विस्थापित और विखंडित करने पर बल देता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. किस मार्क्सवादी आलोचक ने 'पाठ' को एक रचना या आत्मनिर्भर कलाकृति समझने के बजाय 'उत्पादन' घोषित किया ?

(1) टेरी ईगलटन (2) रेमंड विलियम्स

(3) फ्रेडरिक जेम्सन (4) पियरे माशेर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. 'गोदान' उपन्यास के संबंध में असंगत विकल्प है –

(1) महाजनी सभ्यता का अंकन (2) भाषा का वैविध्य

(3) किसान की मज़दूर में परिणति (4) नगरीय जीवन का प्रामाणिक और पर्याप्त चित्रण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. इनमें से ध्वनि–मार्गी आचार्यों में किसे परिगणित नहीं किया जाता?

(1) महिमभट्ट (2) अभिनवगुप्त

(3) भोजराज (4) मम्मट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद उनके किस ग्रंथ में विवेचित हुआ है?

(1) पोएटिक (2) रिपब्लिक

(3) ईस्थेटिक (4) क्रिटिसिज़्म

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. संविधान के अनुच्छेद 120 (1) में किया गया विशिष्ट उपबंध संबंधित है –

(1) संसद में प्रयुक्त होने वाली भाषा से (2) विधान–मंडल में प्रयुक्त होने वाली भाषा से

(3) राष्ट्रपति कार्यालय में प्रयुक्त होने वाली भाषा सें (4) दो राज्यों के पत्र–व्यवहार संबंधी भाषा से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. "बरसै मघा झकोरि झकोरी। मोर दुइ नैन चुवैं जस ओरी।।"
प्रस्तुत पंक्ति में 'ओरी' का अर्थ है –
(1) ऐसी लगातार बारिश जिसका कोई ओर – छोर न हो।
(2) छाजन के किनारे का वह छोर जहाँ से पानी भूमि पर गिरता है।
(3) नदी की तेज धार।
(4) पहाड़ से गिरती पानी की तीव्र धार।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. "माई! मेरी हरि न बूझी बात। या पिंड माँही प्राण पापी, निकसि क्यों नहिं जात।" में 'पिंड' से क्या आशय है?
(1) शरीर
(2) राजा का महल
(3) चारदीवारी से घिरा गाँव
(4) मटका
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. काव्य के प्रयोजनों में प्लेटो सबसे कम महत्त्व किसे देते हैं?
(1) आनंद
(2) उपदेश
(3) नैतिकता
(4) उपयोगिता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. "आयो घोष बड़ो व्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान – जोग की ब्रज में आन उतारी।।
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सुधारी।
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।।"
उक्त काव्यांश के सन्दर्भ में असंगत है –
(1) गोपियों के कथन में भर्त्सना संचारी भाव
(2) निर्गुण के प्रति असहमति
(3) प्रथम पंक्ति में श्लेष अलंकार
(4) गोपियों द्वारा उद्धव के ज्ञान – योग पर व्यंग्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. हिन्दी भाषा का मध्यकाल डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा है?
(1) 1500 से 1800 ई.
(2) 1580 से 1800 ई.
(3) 1525 से 1800 ई.
(4) 1580 से 1750 ई.
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. किस विकल्प के सभी शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं?
(1) उपलक्ष्य, निरावलम्ब, मध्याह्न, श्राप
(2) अन्त्याक्षरी, दुरवस्था, आल्हाद, प्रज्ज्वलित
(3) मैथिली, पूज्यनीय, श्रेयस्कर, प्रसंशा
(4) अनधिकार, कुमुदिनी, अन्तर्धान, मिष्टान्न
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. "जम – करि – मुँह – तरहरि पर्‌यौ, इहिं धरहरि चित लाउ।
विषय – तृषा परिहरि अजौं नरहरि के गुन गाउ।।"
उक्त दोहे का केंद्रीय भाव है –
(1) भक्ति
(2) श्रृंगार
(3) नीति
(4) प्रकृति – वर्णन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. मार्क्सवादी आलोचना–पद्धति के संबंध में कौनसा कथन समीचीन नहीं है?
(1) 'कला कला के लिए' सिद्धांत का प्रबल विरोध।
(2) साहित्य की उपयोगितावादी दृष्टि पर बल।
(3) साहित्य में वर्गगत चरित्रों के समावेश तथा यथार्थ–चित्रण पर बल।
(4) भाषा, शैली और शिल्प–पक्ष की पूर्णतः अवहेलना।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. "वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै
लड़कीली बानि आनि उर में अरति है।"
प्रस्तुत पंक्तियों में किस विरह दशा का चित्रण है?
(1) प्रलाप (2) व्याधि
(3) स्मृति (4) जड़ता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. सर्वनाम से निर्मित भाववाचक संज्ञा है –
(1) धैर्य (2) ममता
(3) महिमा (4) चाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. "जीवन मुँहचाहो को नीको।
दरस परस दिन राति करति है कान्ह पियारे पी को।।"
प्रस्तुत काव्यांश में गोपियों का कुब्जा के प्रति मनोभाव है –
(1) हर्ष (2) अनुराग
(3) असूया (4) चिंता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. "मैं तो गिरधर के घर जाऊँ। .....
जहाँ बैठावे तितही बैठूँ, बेचै तो बिक जाऊँ।"
उक्त पंक्तियों में मीराँ का अपने आराध्य के प्रति कौनसा भाव है?
(1) उपालंभ (2) आत्म–समर्पण
(3) उत्साह (4) मान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. "अवधू ग्यान लहरि धुनि मीडि रे।
सबद अतीत अनाहद राता, इहि विधि त्रिष्णाँ षाँडी।।" पद में मुख्यतया 'अवधू' कहकर किसे संबोधित किया गया है?
(1) अवधू नामक शिष्य (2) अद्वैतपंथी साधू
(3) सूफी फकीर (4) गोरखपंथी योगी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. किस वाक्य में निजवाचक सर्वनाम का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) आप कई वर्षों से बीमार थे। (2) आपस की फूट बुरी होती है।
(3) आप भला तो जग भला। (4) वह अपने को सुधार रहा है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. निम्नलिखित क्रिया रूपों में से डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार कौनसा मानक रूप है?
(1) करिए
(2) करा
(3) करिएगा
(4) कीजिएगा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति के संबंध में असंगत कथन है –
(1) कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राजस्थानी भाषा का उद्‌गम पैशाची अपभ्रंश से माना है।
(2) मोतीलाल मेनारिया ने राजस्थानी भाषा का उद्‌गम गुर्जरी अपभ्रंश से माना है।
(3) डॉ. ग्रियर्सन के मतानुसार राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति नागर अपभ्रंश से हुई है।
(4) सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या ने राजस्थानी भाषा का उद्‌गम सौराष्ट्री अपभ्रंश से माना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. 'पुरस्कार' कहानी की नायिका मधूलिका ने राजा से अपने लिएं पुरस्कार – स्वरूप में क्या माँगा?
(1) मंत्री – पद
(2) मृत्युदंड
(3) सजा से मुक्ति
(4) स्वर्ण – मुद्राएँ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. "संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।
भ्रम की टाटी सबै उडाँणी, माया रहै न बाँधी।।"
प्रस्तुत पद्यांश की व्याख्या के संदर्भ में असंगत है –
(1) ज्ञान के प्रकाश में माया का बन्धन छूट गया।
(2) ज्ञान उत्पन्न हो जाने पर भ्रम का निवारण हो गया।
(3) यहाँ 'टाटी' का अर्थ है – टूटा हुआ
(4) सांगरूपक अलंकार।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. क्रोचे ने कलात्मक निर्माण के विभिन्न चरणों में परिगणित नहीं किया है –
(1) बिंबविधान
(2) संस्कार
(3) अभिव्यंजना
(4) सौन्दर्यमूलक आनंद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. चौपाई छन्द के संबंध में संगत कथन है –
(1) प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, भगण, भगण, रगण, और दो गुरु वर्ण।
(2) प्रत्येक चरण में 16 वर्ण।
(3) चरण के अन्त में गुरु–लघु (ऽ।) न हों।
(4) चरण के मध्य में तुक मिलती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. आचार्य कुंतक द्वारा निर्दिष्ट काव्य–लक्षणों में सम्मिलित विषय नहीं है –
(1) वक्र कवि–व्यापार
(2) शब्दार्थ का सहित भाव
(3) रस – मीमांसा
(4) सुव्यवस्थित रचना (बंध)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. "हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खललेखा!"
कामायनी की इस पंक्ति में 'अभाव की चपल बालिका' किसे कहा गया है?
(1) चिंता
(2) करुणा
(3) वेदना
(4) श्रद्धा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. "जानत हो चारि फल चारि ही चनक को।" पंक्ति में तुलसी ने भ्रम में पड़े हुए जीव के लिए चार पुरुषार्थ का प्रतीक किसे माना है?
(1) शील, शक्ति, साहस और सौन्दर्य
(2) चने के चार दाने
(3) क्षिति, जल, गगन, समीर
(4) कदली, लीची, आम्र और मंजरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. निम्नलिखित में से देवनागरी लिपि विषयक असंगत कथन है –
(1) देवनागरी लिपि में वर्णों का वर्गीकरण मिलता है।
(2) देवनागरी लिपि का विकास नाग लिपि से हुआ है।
(3) ह्रस्व तथा दीर्घ स्वर के लिए स्वतंत्र चिह्न मिलते हैं।
(4) मात्राओं का प्रयोग किया जाता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. किस शब्द में 'नि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(1) नीरोग
(2) निरपराध
(3) निश्चल
(4) निरूपण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. किसमें 'य' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) धैर्य
(2) नित्य
(3) आधिपत्य
(4) पांडित्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. साधारण वाक्य के संबंध में कौनसा कथन असंगत है?
(1) साधारण विधेय में केवल एक समापिका क्रिया रहती है।
(2) उद्देश्य बहुधा कर्त्ता कारक में रहता है, वह दूसरे कारकों में नहीं आता।
(3) वाक्य के साधारण उद्देश्य में विशेषणादि जोड़कर उसका विस्तार करते हैं।
(4) साधारण वाक्य में एक संज्ञा उद्देश्य और एक क्रिया विधेय होती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. द्रुतविलिम्बित छंद विषयक सत्य कथन है –
(1) चरण के अंत में दो गुरु वर्ण।
(2) प्रत्येक चरण में 14 वर्ण।
(3) प्रत्येक चरण में क्रमशः मगण, भगण, थगण, रगण का प्रयोग।
(4) वर्णिक सम छन्द।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. अलंकार विषयक कौनसा विकल्प सुमेलित है?
(1) भ्रान्तिमान – जब सादृश्य के कारण भूल से उपमेय को उपमान मान लिया जाए।
(2) रूपक – जब उपमान पर उपमेय का आरोप किया जाए और दोनों में अभेद हेतु वाचक शब्दों का प्रयोग हो।
(3) अपह्नुति – जब उपमान का निषेध करके उपमेय का होना वर्णित हो।
(4) विभावना – जब उचित कारण से कार्य का होना वर्णित हो।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. "बिन घनस्याम धाम–धाम ब्रज–मंडल में,
ऊधो! नित बसति बहार बरसा की है।"
इन पंक्तियों में अलंकार है –
(1) विभावना
(2) भ्रांतिमान
(3) उत्प्रेक्षा
(4) संदेह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. "फिरि फिरि चितु उत हीं रहतु, टुटी लाज की लाव।
अंग – अंग – छबि – झौंर मैं भयौ भौंर की नाव।।"
प्रस्तुत दोहे में कौन, किससे अपनी दशा का वर्णन कर रहा है?
(1) नायक नायिका की सखी से
(2) पूर्वानुरागिनी नायिका अपनी सखी से
(3) खंडिता नायिका अपनी सखी से
(4) नायिका की सखी नायक से
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. "तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी है <u>उरबसी</u> – समान।।"
प्रस्तुत दोहे में रेखांकित शब्द का अर्थ है –
(1) राधिका
(2) हृदय में बसी
(3) हृदय पर पहनने का आभूषण विशेष
(4) उर्वशी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. विखंडनवाद को स्त्री–विमर्श से जोड़कर उसकी मुक्तिकामी चेतना को अधिक तीव्रता प्रदान करने का कार्य किसने किया?
(1) जूलिया क्रिस्टिवा
(2) बारबरा जॉन्सन
(3) सॉस्युअर
(4) ज़ॉक लकाँ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा निर्धारित मानक हिन्दी शब्दावली की दृष्टि से कौनसा शब्द अशुद्ध है?
(1) छह
(2) तैंतीस
(3) उनचालीस
(4) तैंतालीस
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. डिंगल शैली की रचनाओं के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) अपभ्रंश की भाँति व्यंजन–द्वित्व की प्रवृत्ति दिखाई देती है।
(2) इस शैली में चारणों के साथ–साथ चारणेतर कवियों की रचनाएँ भी उपलब्ध हैं।
(3) तद्भव शब्दों की बजाय तत्सम शब्दों के बहु–प्रयोग की प्रवृत्ति पाई जाती है।
(4) इस शैली का प्रधान रस वीर है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. हिन्दी की प्रमुख बोलियों के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) कामता प्रसाद गुरु के अनुसार, 'खड़ी' का अर्थ है 'कर्कश'।

(2) खड़ी बोली की आकारांतता के स्थान पर उकारांतता, ब्रजभाषा की विशेषता है।

(3) किशोरीदास वाजपेयी के अनुसार, आकारांतता की खड़ी पाई के कारण ही खड़ी बोली का नामकरण हुआ है।

(4) शब्दों के आरंभ एवं मध्य में आने वाले अकार पर जोर देकर विलंबित, दीर्घमात्रिक उच्चारण भोजपुरी की विशेषता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. प्लेटो की मान्यताओं के विषय में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) यह तर्क चित्रकला ही नहीं, काव्य और नाटक पर भी लागू होता है।

(2) कला जगत् यथार्थ से सीधे संबद्ध है।

(3) परम सत्य से कला जगत् त्रिधा अपेत (Thrice Removed) है।

(4) प्रत्यय–जगत् यथार्थ है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. लिंगाघाट में नर्मदा की धारा को सूरजमुखी धारा क्यों कहते हैं?

(1) यहाँ नर्मदा संगमरमर की कुंजगली में प्रवेश करती है।

(2) यहाँ भोर बेला में नर्मदा का पानी सिंदूरी हो जाता है।

(3) यहाँ नवजात शिशु की तरह नर्मदा धवल, उज्ज्वल और कोमल होती है।

(4) यहाँ पश्चिम वाहिनी नर्मदा कुछ समय के लिए पूर्ववाहिनी हो जाती हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. "मर जाऊँगी, पर हरजाई न बनूँगी। एक बार जिसने बाँह पकड़ ली, उसी की रहूँगी।" 'गोदान' उपन्यास में यह कथन किसका है?

(1) झुनिया (2) सिलिया

(3) दुलारी (4) धनिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. इनमें से कौनसा कथन इलियट के 'परंपरा सिद्धांत' की मान्यताओं के अनुरूप नहीं है?

(1) परंपरा मृत या अनुपयोगी वस्तु नहीं है।

(2) कवि को परंपरा का ज्ञान होना चाहिए परंतु इससे भाराक्रांत नहीं होना चाहिए।

(3) परंपरा विरासत के रूप में अनायास ही प्राप्त हो जाती है।

(4) वैयक्तिक प्रज्ञा परंपरा से असंबद्ध, निरपेक्ष या विच्छिन्न वस्तु नहीं हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. संदेह अलंकार के संबंध में कौनसा कथन असंगत है?

(1) इसमें प्रस्तुत में अप्रस्तुत के संदेह का चमत्कार पूर्ण वर्णन किया जाता है।

(2) इसमें किधौं, धौं, कि आदि वाचक शब्दों के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

(3) प्रस्तुत और अप्रस्तुत में सादृश्य का होना आवश्यक है।

(4) सादृश्य के कारण प्रस्तुत में अप्रस्तुत का निश्चय हो जाता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. कॉलरिज के अनुसार काव्य और कला–सर्जन की दृष्टि से सबसे महत्त्वपूर्ण शक्ति है –
(1) रम्य कल्पना
(2) गौण कल्पना
(3) बौद्धिक विवेक
(4) मुख्य कल्पना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. लौंजाइनस ने उदात्त के अवरोधक दोषों में किसे परिगणित नहीं किया है?
(1) बालेयता
(2) प्रबल भावावेग
(3) भावाडंबर
(4) शब्दाडंबर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. "यहु तन जालौं मसि करूँ, ज्यूँ धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करैं, बरसि बुझावै अग्गि।।"
उक्त साखी के सन्दर्भ में अनुपयुक्त तथ्य है –
(1) विरह की मार्मिकता
(2) आत्मा की तीव्र मिलन की उत्कंठा
(3) शारीरिक उत्सर्ग की अभिव्यंजना
(4) विशेषोक्ति अलंकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. कहानी और मूल संवेदना की दृष्टि से असंगत विकल्प है –
(1) गदल – दलित शोषण एवं संघर्ष
(2) पुरस्कार – देश – प्रेम तथा प्रियतम – प्रेम में द्वन्द्व
(3) आपकी छोटी लड़की – टुनिया का मनोवैज्ञानिक तनाव एवं अन्तर्द्वन्द्व
(4) परायी प्यास का सफर – बच्चों की कोमल भावनाओं का हृदय – विदारक चित्रण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. नागमती विरह वर्णन के संदर्भ में असंगत टिप्पणी है –
(1) विप्रलंभ श्रृंगार के उद्दीपन रूप में बारहमासे का वर्णन।
(2) नागमती का साधारण स्त्री रूप में चित्रण।
(3) भारतीय काव्य के प्रभाव से वियोग दशा के वर्णन में बीभत्स दृश्यों का वर्णन।
(4) नागमती का पक्षियों से अपनी हृदय की वेदना कहना।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. "वह मथुरा काजर की कोठरि जे आवहिं ते कारे।
तुम कारे, सुफलकसुल कारे, कारे मधुप भँवारे।।"
रेखांकित 'कारे' का लाक्षणिक अर्थ है –
(1) यमुना जल
(2) श्री कृष्ण
(3) काला रंग
(4) स्वभावगत कुटिलता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. 'न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनिता–मुखम्' कहकर काव्य में अलंकार की महत्ता प्रतिपादित करने वाले आचार्य कौन थे?
(1) वामन
(2) भामह
(3) रुद्रट
(4) उद्भट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. आचार्य मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य–प्रयोजन में सम्मिलित नहीं है –

(1) अमंगल–नाश
(2) अर्थ–प्राप्ति
(3) मोक्ष–प्राप्ति
(4) यश–प्राप्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. राजस्थानी भाषा की बोलियाँ और उनके क्षेत्र के संदर्भ में कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) मारवाड़ी – बीकानेर, सिरोही, जैसलमेर
(2) वागड़ी – डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
(3) ढूंढाड़ी – जयपुर, किशनगढ़, टोंक
(4) मेवाती – अलवर, भरतपुर, धौलपुर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. किस वाक्य में संबंध सूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(1) वह बाहर बैठा था।
(2) मुझसे कोई काम न हो सका।
(3) नौकर मालिक के यहाँ रहता है।
(4) उसको यही डर था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. उत्तर–आधुनिकता की विशेषता नहीं है –

(1) अर्थगत बहुलता
(2) सर्जनात्मकता
(3) विभेदात्मकता
(4) सर्वसत्तावाद का स्वीकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. 'आधे – अधूरे' के संदर्भ में असंगत विकल्प है –

(1) यह पारिवारिक विघटन की गाथा है।
(2) यह वर्तमान जीवन के एक गहन अनुभव – खंड को मूर्त्त करता है।
(3) इसके पात्र, स्थितियाँ एवं मनः स्थितियाँ अविश्वसनीय हैं।
(4) यह मानवीय संतोष के अधूरेपन का रेखांकन है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. लोंजाइनस के अनुसार निम्नलिखित में उदात्त का प्रमुख स्त्रोत है –

(1) महान विचार
(2) भव्य पद–रचना
(3) प्रांजल भाषा
(4) महान कथानक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. "मीराँ के प्रभु हरि अबिनासी, तुम मेरे ठाकुर, मैं तेरी दासी"।
पंक्ति में मीराँ की उपासना किस भाव की है?

(1) दास्य एवं सख्य
(2) दास्य एवं वात्सल्य
(3) माधुर्य एवं दास्य
(4) माधुर्य एवं सख्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. 'सौन्दर्य की नदी नर्मदा' यात्रा वृत्तान्त में सरसों के पीले खेत देखकर लेखक को किस शैली के चित्र याद आ जाते हैं?

(1) मधुबनी
(2) बसोहली
(3) कांगड़ा
(4) पिथोरा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. 'राम की शक्ति पूजा में वर्णित शक्ति – पूजा का मूल स्त्रोत है –

(1) तुलसी कृत रामचरितमानस
(2) वाल्मीकि रामायण
(3) भवभूति उत्तर रामचरित
(4) कृत्तिवास रामायण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. 'ध्वनि–सिद्धांत' की दृष्टि से असंगत कथन है –

(1) आचार्यों ने स्फोट को शब्द–बोध का निमित्त तथा ध्वनि को अर्थ का ज्ञान कहा है।
(2) अनित्य शब्द के नष्ट होने के बाद भी स्फोट के रूप में उसका नित्य रूप विद्यमान रहता है।
(3) ध्वनि शब्द का प्रादुर्भाव व्याकरण के स्फोट–सिद्धांत से प्रेरित है।
(4) ध्वनि को शब्द का आभ्यंतर पक्ष तथा स्फोट को उसका बाह्य पक्ष माना गया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. 'तीन बेर खातीं ते वे तीन बेर खाती हैं।' इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

(1) श्लेष
(2) यमक
(3) उत्प्रेक्षा
(4) विभावना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. "पुरातनता का यह निर्मोक सहन करती न प्रकृति पल एक।"
पंक्ति में 'निर्मोक' से अभिप्राय है –

(1) केंचुली
(2) कुठाराघात
(3) अकर्मण्यता
(4) शिथिलता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. गदल ने और भी क्षीण स्वर से कहा –
"जो एक दिन अकेला न रह सका, उसी की ....।"
'गदल' के इस कथन में प्रयुक्त 'जो' से अभिप्रेत है –

(1) गुन्ना
(2) दुल्लो
(3) डोडी
(4) मौनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. इलियट के निर्वैयक्तिकता–सिद्धांत के संबंध में असंगत है –

(1) कविता का पहला स्वर वह होता है जब कवि या तो स्वयं को संबोधित करता है या फिर किसी को नहीं।
(2) निर्वैयक्तिकता की सिद्धि सबसे अधिक कविता के तीसरे स्वर–नाट्य स्वर में होती है।
(3) कविता के दूसरे स्वर में कवि श्रोताओं को संबोधित करता है।
(4) कविता के तीसरे स्वर में कवि स्वयं उपस्थित रहता है लेकिन श्रोताओं को संबोधित नहीं करता।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए –

(1) फल को खूब पका हुआ होना चाहिए।
(2) हमारे नाक में दम आ गया।
(3) वह ऐसे आदमी के पाले पड़ा था।
(4) उनकी समझौते की इच्छा थी।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. 'संवृत्ति–वक्रता' का सर्वाधिक निकटतम अर्थ किस विकल्प में अभिव्यक्त हुआ है?
(1) किसी पदार्थ के सामान्य धर्म का अल्प–साम्य के कारण दूसरे पर आरोपण करना।
(2) प्रस्तुत की प्रशंसा हेतु उस पर अतिशय कमनीय अर्थ का अध्याहार करना।
(3) अव्ययीभाव आदि वृत्तियों द्वारा काव्य में रमणीयता का आधान करना।
(4) वैचित्र्य–प्रतिपादन की इच्छा से सर्वनाम आदि के द्वारा वस्तु का गोपन करना।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. किस विकल्प में संधि से निर्मित गलत शब्द है?
(1) किम् + वा = किंवा
(2) स्व + ईर = स्वेर
(3) आ + छादन = आच्छादन
(4) तत् + रूप = तद्रूप
(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. "सुनत स्रवन प्रथिराज जस। उमँग बाल विधि अंग।।
तन मन चित चहुवाँन पर। बस्यौ सुरत्तह रंग।।
उक्त पंक्तियों में पद्मावती के मन में उत्पन्न प्रेम का कारण है –
(1) चिंता
(2) पूर्वराग
(3) श्रद्धा
(4) मान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. "नैणज देखूँ नाथ मेरो, ध्याइ करूँ आदेस"
प्रस्तुत पंक्ति में 'आदेस' का संकेतित अर्थ है –
(1) आज्ञा
(2) विनती
(3) निर्देश
(4) अभिवादन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. 'आधे – अधूरे' नाटक के अनुसार पात्र – संबंधी असंगत विकल्प है –
(1) पुरुष एक – महेन्द्रनाथ
(2) पुरुष तीन – जगमोहन
(3) पुरुष दो – मनोज
(4) पुरुष चार – जुनेजा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. सोरठा छंद की विशेषता नहीं है –
(1) विषम चरण में 11 मात्रा
(2) इसमें चार चरण होते हैं।
(3) सम चरणों की तुक मिलती है।
(4) सम चरण में 13 मात्रा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. "रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वार्‌यौ, सुजान सँकोच औ सोच सहारियै।
रोकि रहै न, दहै घनआनँद बावरी रीझि के हाथनि हारियै।"
प्रस्तुत पद के संदर्भ में असंगत है –
(1) सौन्दर्य की अद्वितीय रीति का वर्णन
(2) उपालंभ भाव का वर्णन
(3) नेत्रों की विलक्षण प्रवृत्ति का वर्णन
(4) प्राण निछावर करने का वर्णन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. महाभोज के अनुसार दा साहब के व्यक्तित्व के संबंध में असंगत है –
(1) सादगीपूर्ण जीवनशैली
(2) गठी हुई देह और गरिमामय व्यक्तित्व
(3) विदेशी जीवन पद्धति से लगाव
(4) संयमित जीवन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. "लेकिन स्वार्थ कभी–कभी आदमी को ऐसी अविवेकी बात करने के लिए उकसाता है।" 'महाभोज' में दा साहब का यह कथन किसके संबंध में है?
(1) जोरावर
(2) लोचन बाबू
(3) बिसेसर
(4) सुकुल बाबू
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. किस आलोचक ने कामायनी को जीवन की पुनर्रचना कहा है?
(1) मुक्ति बोध
(2) नंद दुलारे वाजपेयी
(3) राम स्वरूप चतुर्वेदी
(4) नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. अरस्तू के अनुसार त्रासदी का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है –
(1) चरित्र
(2) कथानक
(3) विचार
(4) दृश्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. उत्तर आधुनिकतावादी विचारकों में 'विश्वग्राम' (ग्लोबल विलेज) की संज्ञा किसके द्वारा प्रस्तावित की गई है?
(1) फ्रांसिस फुकुयामा
(2) मार्शल मैक्लुहान
(3) लुई अल्थुसर
(4) रेमण्ड विलियम्स
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. नागमती वियोग खण्ड के बारहमासा के क्रम में किस मास के प्रकृति वर्णन के अन्तर्गत बीरबहूटियों को विरहिणी के रक्त के आँसू की उपमा दी गई है?
(1) भादो
(2) कार्तिक
(3) सावन
(4) बैसाख
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. "शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन,
छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो रघुनन्दन।"
प्रस्तुत पंक्तियों में श्रीराम को शक्ति की साधना हेतु कौन प्रेरित कर रहा है?
(1) विभीषण
(2) सुग्रीव
(3) हनुमान
(4) जाम्बवान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. "मैं इस रिवाज को आत्मविश्वास तोड़ने की साजिश मानता हूँ।"
'सलाम' कहानी में यह कथन किसका है?
(1) रामपाल का
(2) कमल का
(3) जुम्मन का
(4) हरीश का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. 'रोज' कहानी के संदर्भ में असंगत विकल्प है –
(1) आत्मकथा शैली
(2) मालती के जीवंत उद्दाम अतीत का चित्रण
(3) मालती की मानसिक एकरसता व टूटन की अभिव्यक्ति
(4) नाटकीय आरोह – अवरोह युक्त कथानक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. "कवि मुक्तिबोध के लिए अस्मिता की खोज व्यक्ति की खोज नहीं बल्कि अभिव्यक्ति की खोज है।" 'अंधेरे में' कविता के संदर्भ में यह कथन किसका है?
(1) रामविलास शर्मा
(2) नगेन्द्र
(3) नामवर सिंह
(4) नेमिचन्द्र जैन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. त्रासदी संबंधी अरस्तू की मान्यताओं के विरुद्ध कथन है –
(1) त्रासदी के कार्य–व्यापार वर्ण्य होते हैं, अभिनेय नहीं।
(2) त्रासदी कार्यव्यापार का अनुकरण है।
(3) यह कार्यव्यापार गंभीर, पूर्ण और विस्तृत होता है।
(4) त्रासदी की भाषा लय, सामंजस्य और गीत आदि से समन्वित होती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा निर्धारित मानक हिन्दी नियमावली के अनुसार कौनसा शब्द शुद्ध रूप में प्रयुक्त नहीं है?
(1) संबोधन
(2) जन्म
(3) कण्टक
(4) सम्मान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. भट्टलोल्लट के अनुसार, रस–निष्पत्ति की प्रक्रिया में स्थायी भाव का विभाव के साथ संबंध है –
(1) पोष्य – पोषक
(2) व्यंग्य – व्यंजक
(3) उत्पाद्य – उत्पादक
(4) अनुमाप्य – अनुमापक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. "प्रकृति मानो यहाँ नर्मदा के धागे में पहाड़ियों का गजरा गूँथती चली गई है।" 'सौन्दर्य की नदी नर्मदा' के अनुसार यह स्थान है –
(1) शूलपाण की झाड़ी
(2) मंडला
(3) पथोरा
(4) सागौन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. "जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनँद आँसुनि औसर गारति।"
उक्त पंक्ति में 'घनआनँद' का अर्थ नहीं है –
(1) आनन्दपूर्ण दृष्टि
(2) कवि का नाम
(3) घने आनन्द वाले (आँसू)
(4) आनन्द के बादल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. "इसमें पक्के यथार्थवाद के बीच, सुरुचि की चरम मर्यादा के भीतर, भावुकता का चरम उत्कर्ष अत्यंत निपुणता के साथ संपुटित है।" 'उसने कहा था' कहानी के संदर्भ में यह कथन किसका है?
(1) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(3) डॉ. नगेन्द्र
(4) डॉ. नामवर सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' कृति के रचनाकार कौन हैं?
(1) अरस्तू
(2) सैमुअल टेलर कॉलरिज
(3) प्लेटो
(4) बेनेदेत्तो क्रोचे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. क्रिया के भेद और उसके उदाहरण की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित है?
(1) द्विकर्मक – उसने बच्चे को ललचाया।
(2) सकर्मक – वह खेल रहा है।
(3) अकर्मक – मेरा मन ललचाया।
(4) प्रेरणार्थक – नौकर पानी भरता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. इनमें से किस अपभ्रंश से हिन्दी का व्युत्पत्तिपरक संबंध नहीं है?
(1) शौरसेनी
(2) मागधी
(3) केकय
(4) अर्धमागधी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. अरस्तू के अनुसार त्रासदी के द्वारा निम्नलिखित में किन मनोविकारों का उद्रेक कर उनका उचित विरेचन किया जाता है?
(1) करुणा और त्रास
(2) लोभ और प्रीति
(3) ईर्ष्या और घृणा
(4) क्रोध और भय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. आचार्य मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य–लक्षणों में से किस लक्षण को वैकल्पिक माना गया है?
(1) शब्दार्थ – सहित
(2) अलंकार – सहित
(3) दोष – रहित
(4) गुण – सहित
(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. "धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध!"
प्रस्तुत काव्यांश में श्रीराम की किस मनोदशा का वर्णन है?
(1) समर्पण
(2) क्रोध
(3) हताशा
(4) उन्माद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. कॉलरिज ने कल्पना को अनिर्वचनीय एवं 'जादुई शक्ति' कहा है, क्योंकि वह –
(1) निर्माण और संघटन करती है।
(2) आवश्यक उपकरणों को साहचर्य नियम से जुटाती रहती है।
(3) सर्वथा विरोधी धर्मों में भी समन्वय और संगति ला देती है।
(4) देशकाल के बंधन से मुक्त रहती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. रस–निष्पत्ति की प्रक्रिया में भावों को प्रतीति योग्य बनाने वाले कार्य को क्या कहते हैं?

(1) आलंबन

(2) उद्दीपन

(3) स्थायी भाव

(4) अनुभाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. 'कवेः कर्म काव्यम्' अर्थात् कवि कर्म ही काव्य है। यह कथन किसका है?

(1) आचार्य विश्वनाथ

(2) आचार्य कुंतक

(3) आचार्य महिमभट्ट

(4) आचार्य रुद्रट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. क्रिया–विशेषण के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) रचना की दृष्टि से क्रिया –विशेषण के दो भेद हैं – रूढ़ और यौगिक।

(2) दो क्रिया – विशेषणों के मेल से रूढ़ क्रिया – विशेषण बनते हैं।

(3) संज्ञा और विशेषण के मेल से भी क्रिया – विशेषण बनाए जाते हैं।

(4) शब्द की द्विरुक्ति से यौगिक क्रिया – विशेषण बनाए जा सकते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. कॉलरिज के अनुसार दृश्य जगत् का स्पष्ट और व्यवस्थित ज्ञान कराने वाली शक्ति है –

(1) रम्य कल्पना

(2) मुख्य कल्पना

(3) फैंटेसी

(4) गौण कल्पना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. अरस्तू की अनुकरण संबंधी मान्यताओं के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) कलाकृति मानव–जीवन का आदर्शीकृत प्रतिरूपण है।

(2) यहं पुनरुत्पादन वस्तु के मौलिक रूप का नहीं, उसके प्रतीयमान रूप का होता है।

(3) कलाकृति मूल वस्तु का पुनरुत्पादन है।

(4) कलाकृति में जीवन के किसी विशिष्ट पक्ष का ही अनुकरण होता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. "नैन चुवहिं जस महवट नीरू। तोहि बिनु अंग लाग सर चीरू।।" नागमती – वियोग खण्ड के अनुसार उक्त चित्रण किस माह के अंतर्गत हुआ है?

(1) क्वार

(2) सावन

(3) भादो

(4) माघ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. हिन्दी की बोलियाँ और उनके क्षेत्र की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित है?

(1) अवधी – बिजनौर, गाजियाबाद, रामपुर

(2) ब्रजभाषा – सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद

(3) खड़ी बोली – मैनपुरी, बदायूँ, अलीगढ़

(4) भोजपुरी – गोरखपुर, देवरिया, बलिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. निम्न में से किसे देवनागरी लिपि का दोष माना जा सकता है?

(1) उच्चारण के अनुरूप लेखन किया जाता है।

(2) एक ध्वनि के लिए एकाधिक लिपि–चिह्न हैं।

(3) लिपि–चिह्नों की पर्याप्तता है।

(4) नागरी लिपि आक्षरिक है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा स्वीकृत मानक हिन्दी वर्तनी के बारे में कौनसा विकल्प असंगत है?

(1) इसमें गृहीत स्वन अंग्रेजी के आ के लिए (˘) लिपि चिह्न को स्वीकार किया गया है।

(2) इसमें अनुनासिकता चिह्न (ँ) के स्थान पर केवल अनुस्वार (ं) के चिह्न को स्वीकृत किया गया है।

(3) हिन्दी में आगत अरबी फारसी शब्दों में नुक्ते (यथा–ख़) का प्रयोग किया जाता है।

(4) इसमें 'अः' विसर्ग को स्वीकृति मिली है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. काव्य–सर्जना विषयक प्लेटो की मान्यता के विरुद्ध कथन है –

(1) काव्य–सर्जना के लिए कवि का सचेत और कलात्मक प्रयास आवश्यक है।

(2) कवि की विधा का निर्धारण भी काव्यदेवी की प्रेरणा से ही होता है।

(3) ईश्वरीय प्रेरणा के बिना काव्य–सर्जना संभव नहीं है।

(4) काव्य–सर्जना के दौरान कवि आत्मविस्मृत रहता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. कौनसा कथन क्रोचे की अभिव्यंज़नावाद विषयक मान्यताओं के अनुरूप नहीं है?

(1) कला–सृष्टि केवल आंतरिक है।

(2) प्रत्येक अंतःप्रज्ञा कला नहीं है।

(3) अंतःप्रज्ञा और अभिव्यंजना में अभेद है।

(4) कला रूप में है, वस्तु में नहीं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. "कवि अपनी अनुभूति का साधारणीकरण करता है।" यह स्थापना किस विद्वान की है?

(1) भट्टलोल्लट

(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(3) डॉ. नगेन्द्र

(4) भट्टनायक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. "ओ मेरे आदर्शवादी मन, ओ मेरे सिद्धांतवादी मन,
अब तक क्या किया? जीवन क्या जिया!!
उदरंभरि बन अनात्म बन गए"
'अंधेरे' में कविता की उक्त पंक्तियों में काव्य – नायक का भाव है –

(1) संशय का

(2) आत्म – भर्त्सना का

(3) भय का

(4) करुणा का

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध में वर्णित विचारों की दृष्टि से असंगत कथन है –

(1) श्रद्धा का व्यापार – स्थल विस्तृत है, प्रेम का एकांत।

(2) श्रद्धा जागरण है तो प्रेम स्वप्न।

(3) श्रद्धा में कर्म प्रधान है, प्रेम में व्यक्ति।

(4) श्रद्धा में दो पक्ष होते हैं, प्रेम में तीन।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए जगह

रफ कार्य के लिए जगह